शिष्यता के अनिवार्य तत्व

मसीही जीवन के लिए अनिवार्य तत्व
अध्ययन कुँजी

मसीही जीवन एवं सांसारिक दृष्टिकोण

अध्याय 14 : प्रभु यीशु का पुनः आगमन

परिचय

मसीही जीवन एवं सांसारिक दृष्टिकोण नामक यह अध्याय शिष्यता के अनिवार्य तत्व मॉड्यूल का एक भाग हैं। अध्यायों की यह श्रृंखला मसीही जीवन के लिए आवश्यक चुनावों और अभ्यासों का मूल्यॉंकन करती है। परमेश्वर के वचन के अनुसार जीवन व्यतीत करने का मतलब है कि हम समझते हैं कि जो भी चुनाव हम करते हैं उससे हमारा विश्वास प्रभावित होता है। इसका अर्थ ज़्यादा प्रार्थना करना, परमेश्वर की आज्ञाओं का पालन करना और दूसरों की सेवा करना सीखना भी है। मसीहियत की व्यवहारिकता और अपने समुदाय के अन्दर किस तरह से हम अपने विश्वास को पकड़े रहें, यह समझने के लिए ये अध्याय महत्वपूर्ण हैं।

अध्ययन कुँजी को प्रत्येक व्यक्ति के लिए इस मकसद से तैयार किया गया है ताकि वे स्वयं विशेष शिक्षा का गहनता से अध्ययन कर सकें। www.dehindi.org पर प्राप्त वीडियो और ऑडियो को शिष्यता के अनिवार्य तत्व नामक शिक्षा सामग्री के साथ इस्तेमाल किया जा सकता है।

बाइबल के हवालों को पवित्र बाइबल, बाइबल सोसाइटी ऑफ इण्डिया (बी.एस.आई.) से लिया गया है। इन हवालों को प्रकाशित करने की अनुमति ली गयी है। इसके सारे अधिकार आरक्षित हैं।

अन्य सभी सामग्री © 2019 ट्रांस वर्ल्ड रेडियो कनाडा है, और इसका उपयोग किसी भी तरह से किया जा सकता है, जब तक आप इसका उपयोग मसीह के लिए दुनिया तक पहुंचने के उद्देश्य से करते हैं और सामग्री के उपयोग के लिए शुल्क नहीं लेते हैं। अधिक लाइसेंस विवरण देखें: www.discipleshipessentials.org/licensing

मसीही जीवन एवं सांसारिक दृष्टिकोण

अध्याय 14 : प्रभु यीशु का पुनः आगमन

यह किस विषय में है?

यीशु ने यह प्रतिज्ञा की कि वह एक दिन ज़रूर इस धरती पर वापस होगा। यह अध्याय हमें उसकी प्रतिज्ञाओं के महत्व को बताता है और बताता है कि हम किस प्रकार अपने विश्वास और उसके वचनों के प्रति आज्ञाकारी बने रहने के द्वारा उसके पुनः आगमन के लिए तैयार हो सकते हैं।

ताकि आप जान पाएं...

यीशु ने यह वायदा किया कि वह एक दिन वापस आएगा, और उसके इस जगत में वापस आने से पहले बहुत से चिन्ह व चमत्कार दिखाई देंगे। मसीही लोगे अन्त समय में होने वाले चिन्हों को अलग अलग नज़रिये से देखते हैं, लेकिन हम इस बात में सहमत है कि यीशु मसीह एक दिन जगत में वापस आएंगे। इस संसार में कोई नहीं जानता कि उसका जीवन कब समाप्त हो जाएगा लेकिन यह निश्चय है कि उसका अन्त जरूर होगा। होने दें कि यह ज्ञान लोगों के मन में सुसमाचार प्रचार करने की लगन और जुनून तथा परमेश्वर के साथ सही सम्बन्ध बनाने के क्षेत्र में आग में घी का काम करें। मसीह की वापसी की प्रतिज्ञा दुनिया के बदले परमेश्वर पर हमारे मन को लगाने में हमारी मदद करती है। हमें यह ध्यान में रखते हुए कि एक दिन परमेश्वर द्वारा हमारे कामों के हिसाब से हमारा न्याय होगा और प्रतिफल मिलेगा, इसअपने दिनों का भरपूर इस्तेमाल करते हुए उसके लिए सर्वोच्च कार्य करने चाहिए ।

शुरूआत करना

1.

यदि यीशु मसीह कल ही वापस आ जाए, और हमारे जीवन उसी प्रकार समाप्त हो जिस प्रकार हम जानते हैं तो आपको कैसा महसूस होगा?

2.

प्रति दिन आप अपने जीवन का कितना हिस्सा उन कामों को करने में व्यतीत करते है जिसका अनन्त परिणाम होता है? वे कौन सी चीज़ें है जिनका कोई अनन्त परिणाम होता है?

अध्ययन

❖ **प्रतिज्ञाएं : मसीह वापस आएगा!** पुनरूत्थान होने के बाद यीशु अपने बहुत से चेलों और विश्वासियों को दिखाई दिये। कुछ समय के बाद वह अपने चेलों के देखते देखते स्वर्ग पर चढ़ गया।

➢ प्रेरितों 1:6–11 को पढ़ें और देखें कि क्या होता है।

➢ परमेश्वर के पुनः आगमन का ज़िक्र नये नियम की लगभग हर एक पुस्तक में दिया गया है। उसके आगमन पर उसका वचन सत्य साबित होगा और विश्वासी उसके साथ स्वर्ग में उठा लिए जाएंगे। यीशु अपने लोगों को अनन्त तक अपने साथ होने के लिए इकट्ठा करेगा, उसके बाद न्याय होगा, तब नया स्वर्ग और धरती दिखाई देगी।

➢ मसीह के आगमन से सम्बन्धित वचनों को पढ़ें :

मरकुस 13:26–27, 32	
इब्रानियों 9:28	
1 थिस्लुनीकियों 4:16–17	
प्रकाशितवाक्य 19:11–16	

➢ पिछले पद के अनुसार निम्नलिखित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें :

यीशु के आगमन की प्रतिज्ञा किसने की?	
यीशु कब और क्यों वापस आयेगा?	
आपके विचार से यीशु का आगमन किस प्रकार होगा?	

❖ **तैयारियाँ :** सच्चाई तो यह है कि हमें मालूम नहीं है कि मसीह कब वापस आयेगा। बाइबल हमें बताती है कि मसीह का आगमन अचानक होगा–अर्थात जैसे कोई चोर रात में आता है। अन्धकार में रहने वाले लोग चोर के लिए तैयार न होने के कारण नाश हो जाते हैं, परन्तु ज्योति में जीवन व्यतीत करने वाले लोग हमेशा तैयार रहते हैं और उन्हे उद्धार की आशा होती है।

➢ 1 थिस्लुनिकियों 5:2 हमें यीशु के आगमन के बारे में क्या बताता है?

➢ लूका 12:35–48 में हमसे यीशु के आगमन के लिए तैयार होने के बारे में क्या कहा गया है? इस कहानी में कौन तैयार था?

➢ 1 यूहन्ना 2:28 में हमसे यीशु के आगमन तक क्या करने के लिए कहा गया है?

यीशु हमें उसके आगमन के लिए तैयार रहने की चेतावनी देते हैं। पाँच बुद्धिमान कुवांरियों की तरह परमेश्वर के प्रति समर्पित और मसीह के आगमन के अपेक्षा करने वाला प्रत्येक जन उसके साथ होगा और अनन्त प्रतिफल प्राप्त करेगा। हो सकता है कि हमारे जीवन काल में मसीह का आगमन न हो–शायद हम कभी उस दिन या समय को न जान पाएं। इसलिए हमें धीरज के साथ उसके पास बने रहना चाहिए। इसमें उसके भले कामों को करना, उसके वचनों का पालन करना और उसके आगमन तक वचन प्रचार करना शामिल है।

❖ **दो न्याय :** बाइबल हमको बताती है कि समय के अन्त में न्याय होगा। जब लोग न्याय के बारे में सोचते हैं तो वे ज्यादातर अपने भाग्य के बारे में सोचने लगते हैं, वे सोचते हैं जैसे कि कोई न्यायी बड़ी खुशी के साथ अपराधियों को उनके अपराधों को दण्ड दे रहा है। लेकिन जब मसीही लोग न्याय के बारे में सोचते हैं तो उनके विचार इस प्रकार के नहीं होने चाहिए। बाइबल हमें बताती है कि जब न्याय होता है तो धर्मी लोग आनन्द मनाते हैं,परन्तु बुराई करने वाले पर भय छा जाता है (नीतिवचन 21:15)।

➢ महान श्वेत सिंहासन का न्याय उन लोगों के लिए पेशी है जिन्होने प्रभु यीशु मसीह को अपना व्यक्तिगत उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं किया है। जिन लोगों का नाम जीवन की पुस्तक में नहीं पाया जायेगा वे लोग अनन्त दण्ड के भागीदार होंगेः अर्थात अनन्त मृत्यु और परमेश्वर से अलगाव।

प्रकाशितवाक्य 20:11–14 इस न्याय के बारे में क्या कहते हैं?

- **यीशु मसीह का न्याय सिंहासन** उन विश्वासियों के लिए है जो मसीह के लहू द्वारा शुद्ध और साफ हो चुके हैं। उन्होने अपने पापों से क्षमा प्राप्त कर ली है–मसीह ने उनके पापों का जुर्माना चुका दिया है। वे उस सिंहासन के सामने खड़े होंगे जिसे हम दया के सिंहासन के नाम से जानते हैं, जहाँ पर उनके द्वारा धरती पर रहते हुए किये गये उत्तम कामों का न्याय होगा।

  2 कुरिन्थियों 5:9–10 इस न्याय के बारे में क्या कहता है?

  प्रत्येक विश्वासी मसीह के सिंहासन के सम्मुख खड़ा होगा और तब धरती पर किये गये कार्यों के अनुसार उसका न्याय किया जाएगा। विश्वासी होने के नाते हमें अनन्त दण्ड या परमेश्वर से अलगाव होने से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन परमेश्वर से प्रेम करने के कारण हमें सदैव उसे प्रसन्न करने की कोशिश करनी चाहिए। हमें इस न्याय से डरने की जरूरत नहीं; बल्कि हमें परमेश्वर के लिए उत्तम काम करने का प्रयास करना चाहिए।

  1 कुरिन्थियों 3:10–12 पढ़ें। एक मसीही व्यक्ति के कामों का न्याय किस प्रकार होगा? कौन सा काम बहुमूल्य है?

  मसीह वह बुनियाद है जिस पर आधारित होकर हमें अपने वरदानों और योग्यताओं की सहायता से निर्माण करना चाहिए। हमें बुद्धिमानी से प्रत्येक अवसर का भरपूर इस्तेमाल करना चाहिए। पिछले पद में 'सोना' उन कामों को दर्शाता है जिसकी अनन्त कीमत होती है। कलीसिया का निर्माण करना, लोगों को परमेश्वर के राज्य में लाना, स्वर्गीय पिता की महिमा करना आदि उन्ही कामों को प्रदर्शित करते हैं। ये काम कभी नहीं टलेंगे। 'भूसा' उन कामों को दर्शाता है जो देखने में तो परमेश्वर के काम प्रतीत होगें परन्तु उन्हे लोगों ने अपनी महिमा के लिए किया होगा। इन कामों को करने का मकसद अपने आप पास पाये जाने वाले लोगों द्वारा महिमा,प्रसंशा और स्वीकृति प्राप्त करना है।

- **स्वर्ग में खज़ाना :** इस बात को जानने के बाद कि जो भी कुछ हम इस दुनिया में हासिल करते हैं, चाहे हमारे जीवन के अन्त में या मसीह के आगमन पर, एक न एक दिन सब खत्म हो जाएगा, हमें अपना जीवन स्थायी मानकर व्यतीत करना चाहिए। वह सब रेत के समान हाथ से जाने वाली चीज़ें हैं। जिस प्रकार से अपने भविष्य के लिए पहले से ही जमा योजना बनाना या निवेश करना निपुणता है उसी प्रकार स्वर्ग के लिए खज़ाना जमा करना भी महत्वपूर्ण है।

  - मत्ती 6:1–4, 19–24 पढ़ें। यह अनुच्छेद हमें स्वर्गीय खज़ाने के बारे में क्या बताता है?

    हम अपने गुणों या योग्यता को दूसरों के जीवन और कलीसिया की बढ़ौतरी में निवेश करने के द्वारा – अर्थात अनन्त बातें जिनसे परमेश्वर की महिमा होती है,स्वर्ग में धन संचय कर सकते। हमें प्रत्येक दिन न केवल अपने विचारों या शब्दों में बल्कि अपने कामों के द्वारा भी परमेश्वर को महिमा देने का प्रयास करना चाहिए।

सारांश

- बाइबल हमें बताती है कि एक दिन यीशु वापस आएगें।
- यीशु ने वापस आने की प्रतिज्ञा की है – लेकिन उस दिना और उस समय के बारे में कोई नहीं जान सकता है।
- यीशु किसी भी समय वापस आ सकते हैं इसलिए हमें अपने आप को तैयार रखना है। इस तैयारी में भले कामों में प्रयासरत रहना, उसके वचनों का पालन करना,उसके आने तक सुसमाचार प्रचार करना शामिल हैं।
- बाइबल हमें बताती है कि दो प्रकार के न्याय होगें–एक उन लोगों के लिए जिन्होंने यीशु को अपने जीवन का उद्धारकर्ता स्वीकार नहीं किया है,और दूसरा उनके लिए जिन्होंने उसे अपना उद्धारकर्ता स्वीकार किया है।
- मसीहियों के कामों का परमेश्वर द्वारा न्याय किया जाएगा इसलिए हमें धरती पर रहते हुए अपनी ओर से अच्छे से अच्छा काम करने का प्रयास करना चाहिए।
- हमें हमारे भले कामों के लिए परमेश्वर से प्रतिफल प्राप्त होगा,इसलिए हमें 'स्वर्ग में अपना धन संचय' करना चाहिए।

चिन्तन करने योग्य प्रश्न

1. परमेश्वर के आगमन के लिए तैयार होना कैसा प्रतीत होता है? उसके आगमन के लिए तैयार न होने का अर्थ क्या है ? क्या आप तैयार हो?

2. यह जानने के बाद कि एक दिन आपके सारे कामों को जाँचा जाएगा और उनकी अहमियत और गुणवत्ता का न्याय किया जाएगा, आपका जीवन किस तरह से परिवर्तित होना चाहिए? अधिक फलदायक मसीही जीवन जीने और समय को बिल्कुल बर्बाद न करने के लिए आपको क्या करना चाहिए?